अभियान
ABHIYAN

Empowering Communities. Restoring Ecosystems. Building Resilient Futures.

Community Development | Water Security |
Sustainable Livelihoods | Natural Resource Management |
Women Empowerment | Climate Resilience |

Banda & Chitrakoot | Uttar Pradesh | India

Transforming Rural Lives Through Community-Led Development

For nearly four decades, ABHIYAN has been working alongside rural communities in the Bundelkhand region of Uttar Pradesh to address some of the region's most pressing development challenges, including water scarcity, livelihood insecurity, environmental degradation, climate vulnerability, gender inequality, and limited access to basic services.

Established in 1985, ABHIYAN believes that sustainable development is most effective when communities become active participants in designing, implementing, and sustaining solutions. The organization therefore places community ownership, participation, and institution building at the heart of every intervention.

Through integrated programs in water security, natural resource management, sustainable livelihoods, women's empowerment, WASH, and climate resilience, ABHIYAN has enabled thousands of vulnerable households to improve their quality of life while strengthening local institutions and promoting environmentally sustainable development.

Today, ABHIYAN is recognized as a trusted grassroots development partner, collaborating with government agencies, development organizations, CSR foundations, and communities to deliver sustainable, measurable, and scalable impact.

Statutory Registrations

- ✓Registration as Society
- ✓CSR Registration (CSR-1)
- ✓Foreign Contribution Regulation Act (FCRA)
- ✓12A Registration
- ✓80G Registration
- ✓NGO DARPAN Registration

Development Begins With People

Communities are not beneficiaries of development—they are its architects.

ABHIYAN believes that lasting development cannot be achieved through infrastructure or services alone. Sustainable transformation occurs when communities possess the knowledge, confidence, leadership, and institutional capacity to drive their own development.

Every program implemented by ABHIYAN is designed to strengthen local ownership, encourage participatory decision-making, enhance community capacities, and create systems that continue to function long after project completion.

Rather than delivering isolated interventions, ABHIYAN promotes an integrated development approach that simultaneously strengthens people, institutions, livelihoods, and natural ecosystems.

WHY BUNDELKHAND?

Bundelkhand is among India's most climate-sensitive regions, characterized by recurring droughts, declining groundwater levels, land degradation, low agricultural productivity, and limited livelihood opportunities. These challenges disproportionately affect women, smallholder farmers, and socially vulnerable communities.

ABHIYAN recognizes that these challenges are deeply interconnected. Improving livelihoods requires strengthening natural resources; enhancing water security depends on ecosystem restoration; and sustainable development is only possible when communities have the knowledge, institutions, and confidence to manage their own resources.

Our integrated development model addresses these interconnected challenges through community participation, climate-resilient practices, institutional strengthening, and sustainable livelihood solutions.

Vision

- To build resilient, equitable, and empowered communities where every individual has access to opportunities, sustainable livelihoods, environmental security, and a life of dignity.

Mission

- To catalyze inclusive socio-economic transformation by strengthening community institutions, conserving natural resources, improving water security, enhancing livelihoods, and fostering community-led development through innovation, partnerships, and local participation.

Mr. Ashok Kumar
(Founder & Director)

With a vision to empower rural communities through participatory and sustainable development, Mr. Ashok Kumar founded ABHIYAN in 1985. Over the past four decades, he has led the organization in addressing critical development challenges across Bundelkhand, with a focus on water security, sustainable livelihoods, natural resource management, women's empowerment, and community institution building.

Under his leadership, ABHIYAN has emerged as a trusted grassroots development organization, driven by the belief that lasting change is achieved when communities become active partners in their own development.

Shri Uma Shankar Pandey
(Key Advisor –
Water Conservation & Agriculture)

Padma Shri Awardee (2023)

Uma Shankar Pandey ji is Abhiyan's Key Advisor for Water Conservation and a Master Trainer in sustainable water resource management. With over three decades of experience, he has led community-driven initiatives in watershed development, groundwater recharge, rainwater harvesting, and climate-resilient agriculture across Bundelkhand.

His technical expertise and strategic guidance strengthen Abhiyan's programs on water security, sustainable agriculture, and rural livelihoods

OUR DEVELOPMENT APPROACH

IMPACT AT A GLANCE

STRATEGIC PARTNERSHIPS

🌍 Development Partners

- WaterAid India
- Jal Seva Charitable Foundation (JSCF)
- Jamsetji Tata Trust (JTT)
- Sir Dorabji Tata Trust (SDTT)
- Church's Auxiliary for Social Action (CASA)
- Population Science Institute (PSI)
- Development Alternatives (DA)
- Brooke India
- Indo-Global Social Service Society (IGSSS)
- Oxfam India (Oxfam)
- Foundation for Rural Recovery and Development (FORRAD)
- Catholic Relief Services (CRS)
- Action for Food Production (AFPRO)
- Sustainable Green Initiative, Kolkata
- Gorakhpur environmental action group (GEAG)

🏛 Government Institutions

- Ministry of Environment, Forest and Climate Change
- Uttar Pradesh Forest Department
- District Rural Development Agency
- Panchayati Raj Institutions
- District Administration
- Chitrakoot Forest Department (JAICA)

Demonstration & Training Centre

Location: Village Udaipur (Badausa), Banda District

Media Coverage

हिन्दी दैनिक **खरी कसौटी**

www.hindienews.com — लखनऊ से प्रकाशित

रविवार, 28 फरवरी, 2021

अतिवंचित समुदाय के वाश फोरम व ग्राम विकास में सहभागिता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

चित्रकूट। 27 फरवरी को संस्था अभियान,अतर्रा द्वारा जल सेवा चैरिटेबल फाउण्डेशन / वाटरएड / ॥छ्क्र के सहयोग से विनोद लौज चित्रकूट में अतिवंचित समुदाय की ÷ वाश फोरम व ग्राम विकास में सहभागिता पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें कर्वी व पहाड़ी ब्लाक के ग्राम करारी , पतौडा , लूक , सांईपुर कौहारी , कहेटामाफी , बाबूपुर , इटौरा , कपना व पुरवा तरौहां के अतिवंचित समुदाय (जमादार) के 50 महिला व पुरुषों ने सहभागिता की । कार्यक्रम में पेयजल , स्वच्छता , हाईजीन , स्कूलवॉश , वॉश फोरम , वर्षा जल संग्रहण के साथ - साथ अतिवंचित समुदाय में सामाजिक , आर्थिक व राजनैतिक परिदृश्य पर जानकारी प्रोजेक्टर व भाषण के संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार द्वारा कहा गया कि गांव की व्यवस्था में अतिवंचित समुदाय की महत्वपूर्ण भूमिका रही है । लेकिन आज ज्ञान जागरूकता व संगठन के अभाव में इनको सरकारी योजनाओं का फायदा कम मिल पा रहा है । जिस प्रकार से प्रकृति किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करती है उसी प्रकार से समाज में समुदाय के साथ भी कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए । जल एवं स्वच्छता की सेवायें व सुविधाएं पाना इनका भी मूल अधिकार व हक है । कार्यक्रम में आये अतिवंचित समुदाय के प्रतिनिधियों द्वारा 15 सदस्यीय हमारी आवाज समिति जनपद चित्रकूट का गठन किया गया । जिसमें अध्यक्ष बबली इटौरा , सचिव राजेन्द्र कुमार कहेटामाफी , कोषाध्यक्ष मीरा करारी , तथा सदस्य मुन्नीलाल करारी , तुलसा पतौड़ा , उमा लूक , ज्ञानवती , बब्बू साईपुर , श्री राकेश काहारी , रामप्रकाश , राह्लु कहेटामाफी , सुरेखा बाबूपुर , छोटू पुरवा तरीहा बनाये गये । समिति का मुख्य उद्देश्य अतिवंचित समुदाय के सामाजिक , आर्थिक व राजनैतिक विकास के लिए समूहिक प्रयासों को बढ़ाना है । उपस्थित सभी प्रतिभागियों द्वारा शौचालय का उपयोग , शुद्ध पानी , हैण्डवॉश , कूड़ा करकट व गंदे पानी का निस्तारण , पेयजल श्रोतों का रखरखाव , वर्षा जल संग्रहण , महिला / किशोरी सुरक्षा तथा नशा मुक्ति पर कार्य करने का संकल्प लिया गया तथा हमारी आवाज समिति को सक्रिय बनाने का भी कार्य किया जायेगा ।

दैनिक जागरण

बुंदेलखंड जागरण

एक नजर

गांव में रोका पानी, खुशहाल जिंदगानी

अब इस पर जोर

जल संरक्षण

20 मार्च, 2023 — चित्रकूट/आसपास जागरण

'पानी के संरक्षण में प्रभावी है खेत में मेड़'

जल चौपाल बरुआ नाला के सीमांकन, **पौधारोपण का कार्य प्राथमिकता** के साथ कराया जाए

कार्यक्रम में बोले सांसद

जासं, चित्रकूट : सांसद आरके पटेल ने कहा कि भारत सरकार ने जल एवं स्वच्छता के मुद्दे पर वर्ष 2014 से तेजी के साथ काम कर रही है। जागरूकता के कार्यक्रम में स्वैच्छिक संगठनों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है पानी के क्षेत्र में काम कर रहे उमाशंकर पांडेय को पद्मश्री पुरस्कार बुंदेलखंड के साथ-साथ देश के लिए एक गौरव है। खेत में मेड़, मेड़ में पेड़ की परंपरा, पानी के संरक्षण के लिए बहुत ही प्रभावी रही है।

वाटरएड एवं ग्लोबल इंटरफेस वाश एलायंस के संयुक्त तत्वाधान में रैन बसेरा में आयोजित जिला स्तरीय जल चौपाल में उन्होंने कहा कि हमारे नदी व नालों के किनारे आम, नीम, जामुन, पीपल, बरगद, गुलर, अर्जुन, पलाश आदि के पेड़ बहुत पाए जाते थे जो हमारे जीवन के लिए उपयोगी व दीर्घायु वाले होते थे नदी तालाब हमारे जीवन से जुड़े रहे हैं, लेकिन भौतिकवाद स्वीमिंग पुल बनाने का काम हो रहा है, जबकि तालाब ही हमारे स्वीमिंग पुल होते थे। लोग तालाबों की सफाई व खुदाई के लिए एकजुट होकर काम करते थे। आज तालाबों में पानी जाने के रास्तों पर अतिक्रमण है। प्रत्येक जनपद में 75-75 अमृत सरोवर बनाए गए हैं और खेत तालाब की योजना भी चल रही है। बरूवा नाला के सीमांकन एवं खुदाई का काम मनरेगा से कराया जाए। सांसद ने जल एवं स्वच्छता के मुद्दे पर एक शपथ भी दिलाई गई। संस्था अभियान के निदेशक अशोक कुमार ने कहा कि आज पूरी दुनिया विकास और प्रगति को लेकर पागल हो रही है। ये विकास और प्रगति केवल भौतिकवाद पर आधारित है। वाटरएड लखनऊ के सरजिल खान व जिला वाश फोरम के आलोक द्विवेदी ने कहा कि हमारे परंपरागत जल स्रोतों का जल स्तर बहुत तेजी से घट रहा है या तो सुख गए हैं। जिला वाश फोरम के शंकर दयाल पयासी, श्रवण कुमार, दुर्गा प्रसाद, रेनू शुक्ला, मनीष कुमार, अनिल कुमार, राजमन विश्वकर्मा रहे।

जिवा वास फोरम के कार्यकर्ता को प्रमाण पत्र देते सांसद आरके सिंह पटेल (बीच में) ● संस्था

चौपाल — सांसद बोले-पानी बचाने के लिए मिलकर करें कार्य

कुओं और तालाबों का करें संरक्षण

संवाद न्यूज एजेंसी

चित्रकूट। पानी की समस्या को लेकर वाटरएड एवं ग्लोबल इंटरफेथ वॉश एलायंस के संयुक्त तत्वाधान में सीतापुर कस्बा स्थित रैन बसेरा सभागार में चौपाल हुई। इसमें तालाबों और कुओं के संरक्षण पर चर्चा की गई।

चौपाल में सांसद आरके सिंह पटेल ने कहा कि नदी, तालाब हमारे जीवन से जुड़े हैं। आज भौतिकवाद के कारण स्वीमिंग पूल बनाया जा रहा है। एक समय था तालाब ही स्वीमिंग पूल का कार्य करते थे। तालाब में पानी जाने वाले रास्तों पर अतिक्रमण हो गया है। बारिश के पानी के संचय के लिए सभी को मिलकर कार्य करना होगा।

अभियान संस्था के निदेशक अशोक कुमार ने बताया कि कहा कि गलत तरीके से विकास कार्य करने से जलवायु में परिवर्तन हो रहा है। इससे बाढ़, सूखा और भूकंप की समस्या हो रही है। प्रकृति को बचाने का काम गांव से ही आरंभ होता है। वाटरएड लखनऊ संस्था के सुरजिल खान ने बताया कि भारत सरकार की गाइड लाइन के अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को 55 लीटर पानी की जरूरत है। जल को संरक्षित करने के लिए कई माध्यम हो सकते हैं।

जिला वॉश फोरम के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी ने कहा कि परंपरागत जलस्रोत तेजी से घट रहे है। नदियों, तालाबों और गांवों में पौधरोपड़ अधिक से अधिक किया जाए। इस मौके पर शंकर दयाल पयासी, श्रवण कुमार, दुर्गा प्रसाद, सुनील कुमार, श्रवण कुमार, दुर्गा प्रसाद, रेनु शुक्ला, मनीष कुमार, अनिल कुमार, राजमन विश्वकर्मा भी मौजूद रहे।

जल संरक्षण की चौपाल में बोलते सांसद आरके सिंह पटेल। संवाद

अमर उजाला — कानपुर | सोमवार, 20 मार्च 2023 — 3

Media Coverage

जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना के तहत विकास भवन बाँदा में जिला-स्तरीय कार्यशाला संपन्न

अवधनामा संवाददाता

बाँदा। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा तैयार उत्तर प्रदेश जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना (UPSAPCC) 2021-2030 के अंतर्गत विकास भवन, बाँदा में एक दिवसीय जिला-स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला गोरखपुर एनवायरनमेंटल एक्शन ग्रुप एवं अभियान संस्था, अतर्रा के सहयोग से आयोजित की गई। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य जिला-स्तर की योजनाओं में जलवायु जोखिमों के समावेशीकरण, जल मिशन तथा सतत कृषि से जुड़े विषयों पर विचार-विमर्श करना था। इस दौरान बुंदेलखंड क्षेत्र की संवेदनशील संस्थागत प्रणालियों तथा जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं मार्गदर्शक के रूप में पद्मश्री उमाशंकर पांडे ने जलवायु परिवर्तन से निपटने में समुदाय की सहभागिता, स्थानीय स्तर पर अनुकूलन उपायों और दीर्घकालिक रणनीतियों पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। वहीं मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पांडे ने जिले में संचालित विकास कार्यों को जलवायु अनुकूल बनाने हेतु संभावित पहलों और रणनीतियों पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर डीसी-एनआरएलएम भइयन लाल, परियोजना निदेशक राजेश मुख, उप कृषि निदेशक अभय कुमार यादव, मुख्य पशुपालन अधिकारी एस.के. बैंस, जिला कृषि अधिकारी संजय कुमार तथा बाँदा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक-प्राचार्य प्रो. डॉ. एन.के. बाजपेयी ने कृषि एवं जल मिशन से जुड़े जलवायु जोखिमों और क्षेत्र में किए जा रहे सुधारात्मक प्रयासों पर अपने विचार साझा किए। कार्यशाला में अभियान संस्था के निदेशक अशोक कुमार तथा गोरखपुर एनवायरनमेंटल एक्शन ग्रुप की मंजू एवं प्रीति ने जलवायु जोखिम प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी और स्थानीय स्तर पर अनुकूलन पहलों पर सारगर्भित प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के अंत में जानकारी दी गई कि इस प्रकार की कार्यशालाएँ आगामी दिनों में जनपद के सभी आठों विकासखंडों में भी आयोजित की जाएंगी, जिससे जमीनी स्तर पर लोगों को जलवायु परिवर्तन के प्रति जागरूक किया जा सके और स्थानीय समुदायों की भागीदारी को सशक्त बनाया जा सके।

6 दैनिक जागरण कानपुर, 23 मार्च, 2023

चित्रकूट जागरण

नगर के तालाबों को मिलेगा अपना पुराना स्वरूप

गोष्ठी के सुझावों को जमीन पर उतारने का डीएम ने दिया भरोसा, बरूआ नाले के सीमांकन के साथ कराया जाएगा खोदाई कार्य

जल है तो कल है

जासं, चित्रकूट: दैनिक जागरण की ओर से जिला पंचायत सभागार में 'जल है तो कल है' थीम पर जिला स्तरीय गोष्ठी का आयोजन हुआ। जल संरक्षण के लिए काम कर रही संस्थाओं ने विभिन्न सुझाव दिए। जिस पर डीएम अभिषेक आनंद ने अमल करने का आश्वासन देते हुए कहा कि नगर के पौराणिक तीनों तालाब को पुराना वैभव प्रदान किया जाएगा। साथ ही ग्रामीण इलाकों के तालाबों का इनलेट तैयार करने के लिए अभियान चलाएंगे। अधिक से अधिक वर्षा जल का संचय किया जा सके। वैसे जल संचय जन जागरूकता से ही संभव होगा।

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने दैनिक जागरण पहल की सराहना करते हुए कहा कि सरकार बुंदेलखंड में जल संरक्षण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिले में छह सौ किसानों के खेतों में खेत तालाब निर्माण का लक्ष्य है। जो मई व जून में पूरा किया जाएगा। इन तालाबों से किसानों की आय में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि गोष्ठी में वक्ताओं के काफी अच्छे सुझाव आए हैं। शहरी क्षेत्र में कोठी, गोल व डिग्गी तालाब का जीर्णोद्धार का काम कराया जाएगा। बरूआ नाला का सीमांकन व खुदाई का कार्य किया जाएगा।

इन वक्ताओं दिए सुझाव: उप कृषि निदेशक राजकुमार, जिला कृषि अधिकारी आरपी शुक्ला, अभियान संस्थान के निर्देशक अशोक कुमार, जिला वास फोरम के आलोक द्विवेदी, प्रगति शील किसान योगेश जैन, पर्यावरण विद् गुंजन मिश्रा, उद्योग व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष ओम केशरवानी, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष दिव्या त्रिपाठी, जिला उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल, सुनील द्विवेदी, ऋषि कुमार आर्य, श्रवण कुमार, शंकर दयाल पयासी, बुंदेली सेना के अजीत सिंह, अश्वनी श्रीवास्तव, पूर्व प्रधान बालापुर माफी दुर्गाप्रसाद, आशीष रघुवंशी, राजेश, कमलेश कुमार, वंश गोपाल रहे।

जिला पंचायत सभागार में जल है तो कल है जिला स्तरीय जागरूकता गोष्ठी में बोलते जिलाधिकारी अभिषेक आनंद व मौजूद लोग • जागरण

होटल, लाज व व्यावसायिक भवन में जल संचय नहीं तो भेजेंगे नोटिस

डीएम ने साफ कहा कि शहर के अंदर होटल, लाज, व्यावसायिक दृष्टि से जो भवन उनमें रेन वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य जरूरी है। जल्द की सर्वे कराएंगे जिन भवनों में व्यवस्था नहीं है उनको नोटिस दिया जाएगा। सरकारी विभागों और अन्य बड़े परिसरों में सभी जगह इंटरलाकिंग करा दिया जाता है जो गलत है। कुछ जगह कच्ची छोडे। उसमें लान बनाएं और पौधारोपण करे ताकि वर्षा जल का संचय हो। जिले की पेयजल की समस्या के समाधान के लिए जल मिशन योजना से हर घर टोटी नल का 80 प्रतिशत काम हो चुका है। कर्वी नगर के लिए भी एक पेयजल योजना बनाई जा रही है जिसमें यमुना नदी से पानी लाया जाएगा।

यह आए सुझाव

- मंदाकिनी नदी का सीमांकन कराकर, हटाए जाएं अतिक्रमण
- बरूआ नाला का सीमांकन व खोदाई करा विकसित करें पिकनिक स्पाट
- कर्वी नगर के पेशवा कालीन कोठी, गोल व डिग्गी तालाब को अतिक्रमण मुक्त करा, किया जाए सुंदरीकरण
- ग्रामीण इलाके के तालाबों को बरसात पानी पहुंचने के लिए ठीक कराए जाएं इनलेट
- मेरा छत मेरा पानी अभियान के तहत तीन वर्ष पहले बनाए गए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की कराई जाए मरम्मत
- नालों के सूखे चेकडैम के आसपास कराई जाए खोदाई व बनाए जाएं वाटर संचय टैंक
- नगरीय क्षेत्र में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम विकसित करने को दिया जाए अनुदान।

Glimpses from the field

Water Point Restoration in Community

Rainwater Harvesting Structure

फलदार वृक्षारोपण समारोह
25 Lakh Fruit Trees for SUSTAINABLE LIVELIHOODS - India
800,000 fruit trees for Bundelkhand & Sonbhadra- 2022

क्षेत्रीय सम्पर्क
सहयोग- "कासा" लखनऊ

काकुनी (कांग)
रागी (मडिया)
कासरा (बाजरा)
कुदई (कोंदो)
छोटे कंगनी
साँवा

5-मडिया
08.07.2025 18×32 S.ft.

शिक्षा जीवन की तैयारी का शिक्षण काल है
"जल, जंगल, जमीन व जानवर ही हमारे जीवन के मुख्य आधार है"
"विश्व जल दिवस" पर पानी की पाठशाला

"जल, जंगल, जमीन व जानवर ही हमारे जीवन के मुख्य आधार है"
दिनाँक- 22 मार्च 2025, स्थान- पू.मा.वि. तुर्री (बाँदा)
• अभियान, अतर्रा (बाँदा) उ.प्र.
• प्रकृति सेवा समिति, तुर्री (बाँदा)
बिन पानी सब सून...

में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम
में मेड - मेड पर पेड़'
से 30.04.2023 तक
अतर्रा (बाँदा)/शाखा चित्रकूट
ग्रीन इनीशिएटिव (SGI) कोलकाता

लोबल हैण्डवाशिंग कम्पेन
दिनांक : 15-21 अक्टूबर 2023
प्राथमिक विद्यालय, ग्राम- अफरौली (रामनगर), चित्रकूट

स्कूली बच्चों का
ग्लोबल हैण्डवाशिंग कम्पेन
दिनांक : 15-21 अक्टूबर 2023
-: द्वारा :-

RWH Structure in Pond, Village - Kauhari
Before Intervention
Pond Desilting
Boring Work
Digging of Filtration Chamber
Filling of Filtration Chamber
Masonry work of recharge pit
Recharge pit
Display Board

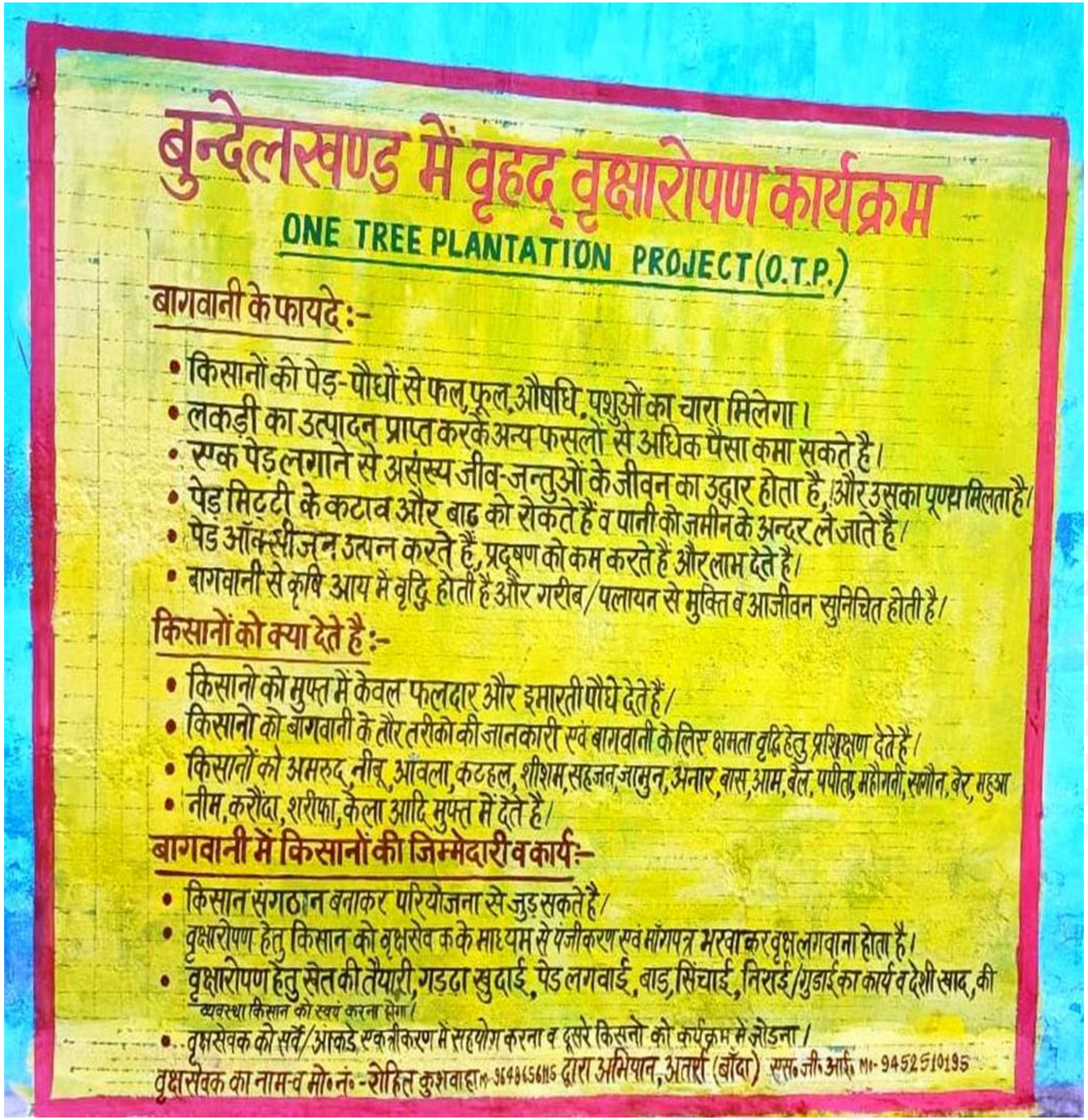
बुन्देलखण्ड में वृहद् वृक्षारोपण कार्यक्रम
ONE TREE PLANTATION PROJECT (O.T.P.)
बागवानी के फायदे :-
• किसानों की पेड़-पौधों से फल, फूल, औषधि, पशुओं का चारा मिलेगा।
• लकड़ी का उत्पादन प्राप्त करके अन्य फसलों से अधिक पैसा कमा सकते है।
• एक पेड़ लगाने से असंख्य जीव-जन्तुओं के जीवन का उद्धार होता है, और उसका पुण्य मिलता है।
• पेड़ मिट्टी के कटाव और बाढ़ को रोकते हैं व पानी को जमीन के अन्दर ले जाते है।
• पेड ऑक्सीजन उत्पन्न करते हैं, प्रदूषण को कम करते है और लाभ देते है।
• बागवानी से कृषि आय में वृद्धि होती है और गरीब/पलायन से मुक्ति व आजीवन सुनिचित होती है।
किसानों को क्या देते है :-
• किसानो को मुफ्त में केवल फलदार और इमारती पौधे देते हैं।
• किसानो को बागवानी के तौर तरीको की जानकारी एवं बागवानी के लिए क्षमता वृद्धि हेतु प्रशिक्षण देते है।
• किसानों को अमरुद, नीबू, आँवला, कटहल, शीशम, सहजन, जामुन, अनार, बास, आम, बेल, पपीता, महोगनी, सगौन, बेर, महुआ
• नीम, करौंदा, शरीफा, केला आदि मुफ्त में देते है।
बागवानी में किसानों की जिम्मेदारी व कार्य:-
• किसान संगठन बनाकर परियोजना से जुड़ सकते है।
• वृक्षारोपण हेतु किसान को वृक्षसेवक के माध्यम से पंजीकरण एवं मांगपत्र भरवाकर वृक्ष लगवाना होता है।
• वृक्षारोपण हेतु खेत की तैयारी, गड्ढा खुदाई, पेड लगवाई, बाड़, सिंचाई, निराई/गुड़ाई का कार्य व देशी खाद, की व्यवस्था किसान को स्वयं करना होगा।
• वृक्षसेवक को सर्वे/आंकडे एकत्रीकरण में सहयोग करना व दूसरे किसनो को कार्यक्रम में जोडना।
वृक्षसेवक का नाम व मो० नं० - रोहित कुशवाहा द्वारा अभियान, अतर्रा (बाँदा) एस० जी० आर० M- 9452510195

मेरा तालाब मेरा गौरव अभियान
जिला स्तरीय जल चौपाल
WaterAid

पेयजल इकाई
WaterAid
प्राथमिक विद्यालय करछा पुरवा (पतौंड़ा) कर्वी- चित्रकूट
द्वारा-JSCF/वाटरएड
स्थानीय सहयोग-स्कूल प्रबन्ध समिति/विलेज वॉश फोरम पतौंड़ा
DWF/2022-23/002

विश्व जल दिवस-2025
"सरोवर हमारी धरोहर"
सम्मान पत्र
राजेश द्विवेदी, पूर्व जिलाध्यक्ष, भाजपा बाँदा/सदस्य प्रदेश कार्य समिति
भाजपा उत्तर प्रदेश

विश्व जल दिवस - 2025
के शुभवसर पर
३४वाँ सम्मान समारोह
"सरोवर हमारी धरोहर"
(जल संरक्षण, जल संवर्धन एवम् प्रकृति संरक्षण के लिये)
दिनांक 19 मार्च 2025
सम्मान - पत्र

Safe drinking water access for Village community

Livelihood enhancement – livestock management

Address:
Lodhu Thok, Near Post Office, Atarra
Post- Atarra, District- Banda (U.P.) INDIA 210201

Email:
abhiyanbanda@yahoo.com

Contact No.:
+91 94525 10195
+91 8707060872

Website:
https://abhiyanbanda.in/

Thank You

We look forward to building meaningful partnerships for sustainable development.